31.3.94, was once again thrown to the winds. Now, the entire Ariyalur town is tense and the people would even turn violent if the Central Government docs not intervene to save about 5,00,000 people living there from this kind of slow-poisoning. Therefore, I call upon the Government to immediately send experts to assess the situation and install necessary modern equipments to put an end to the pollution in Ariyalur.

SHRI MISA R. GANESAN: Sir, I associate myself with it.

SHRI S. MUTHU MANI: Sir, the Tamil Nadu Government has taken measures....*(Interruptions)* I would like to say that steps have been taken by the Tamil Nadu Government. The facts submitted by my learned friend arc not totally *correct....(Interruption!!)*

SHRI J.S. RAJU: But nothing has come out of it.

Need to Include more backward classes in O.B.C, list in Gujarat

श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल (गुजरात): उपसभाध्यक्ष महोदय। मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार का एक गम्भीर मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

केन्द्र सरकार मंडल कमीशन की रिपोर्ट की स्वीकृति की बातें कर अमीरों की तरफदारी करने वाले उसके चेहरे को छिपाने की कोशिश कर रही है।

गुजरात सरकार के कृत्य से यह चेहरा बेनकाब हो गया है। गुजरात में एक मई से सामाजिक, आर्थिक, पिछड़े हुए वर्गों के लिए आरक्षण व्यवस्था उपलब्ध होगी ऐसा सरकार ने घोषित किया है। लेकिन मंडल कमीशन ने गुजरात की 105 जातियों को सामाजिक, आर्थिक पिछड़ी हुई माना है। उसमें से अधिक पिछड़ी 27 जातियों को गुजरात सरकार ने स्वीकार नहीं किया है।

सामाजिक, आर्थिक, पिछड़ी बस्ती की कुल जनसंख्या का यह 25 प्रतिशत हिस्सा है। गुजरात सरकार ने इन अति पिछड़ी 27 जातियों के साथ विश्वासघात किया है।

एक तरफ मंडल कमीशन की स्वीकृति घोषित की जाती है। दूसरी तरफ गोकुल कृष्ण कमीशन बैठा कर फिर से जातियों की स्थिति की जांच करने का नाटक गुजरात सरकार ने शुरू किया है। फिर एक बार गुजरात में जातिवाद का जहर उगालने का प्रयास स्वयं सरकार कर रही है। गुजरात सरकार की इस अनिर्णायक स्थिति से वायुमंडल बिगड़ रहा है। इस मांग के लिए बड़े-बड़े जातीय सम्मेलन हो रहे हैं और आपसी लड़ाई लड़ रहे हैं।

केन्द्र सरकार को हस्ताक्षेप करके बिना विलम्ब मंडल कमीशन में स्वीकृत सभी जातियों को आरक्षण व्यवस्था का लाभ मिले इसलिए गुजरात सरकार को बाध्य करना चाहिये।

मेरा यह निवेदन है कि मंडल कमीशन में स्वीकृत 27 जातियों को आरक्षण के इस दायरे में तुरन्त ही जोड़ना चाहिए।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): मैं इससे सहमत हूं...

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल): समय का अभाव है आपका नाम एसोशिएट में रख दिया गया है।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे: जो पहले तय किया था और एक जबर्दस्त मेला किया हुआ था गांधी नगर में और लोगों के बीच में जो आपसी लड़ाई हो रही है उसको मिटाने के लिए मंडल कमीशन ने जो तय किया है उसमें गुजरात सरकार को 25 प्रतिशत इन लोगों को, इन 27 जातियों को ले लेना चाहिए। ऐसा मेरा निवेदन है।

Reduction of Flights from Calcutta to Agartala

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to raise a very important issue which pertains to the interests of the people of the North-East. Day in and day out. we arc being told by the Government that special care is being taken by them to strengthen the infrastructure in the North-East. Sir, there were 14 flights operating between Agartala and Calcutta. Now, without any rhyme or reason, the Government has cut down the number of flights from Agartala to Calcutta from 14. to 9. Over and above this, we also see that every alternate day, the flights get cancelled. Sir, I would like to point out that the road and rail links between the Eastern

region and Tripura is very weak. In fact, we had requested the Government that a railway line linking Agartala and Kumarghat should be provided. But that demand was also not accepted by the Government and there is no mention of it in the Railway Budget. This is creating a lot of hardships to the people of Tripura. In an otherwise volatile and politically unstable situation that is prevailing in the North-East, Tripura is the only state where there is a stable and popular Government. Sir, the Central Government Should immediately restore the flights as they were earlier.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal); Sir, I fully associate myself with it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl SATISH AGARWAL): Shri Shankar Dayal Singh. Not present. Shri Maheshwar Singh.

Need to Reduce Air Fare

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से नागरिक उड्डयन एंव पर्यटन मंत्री जी का ध्यान एक विशेष महत्व के विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदय, यह बात सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश में अनेकों पर्यटक स्थल हैं जहां न केवल देश से बल्कि विदेशों से भी लाखों पर्यटक आते हैं। हिमाचल प्रदेश में इस समय तीन हवाई पट्टियां हैं एक कुल्लू में, एक शिमला में और एक कांगड़ा में। गत वर्ष तक इन हवाई पट्टियों पर वायुदूत सेवा उपलब्ध थी और उस समय भी वहां का किराया देश के बाकी भागों के मुकाबले में सर्वाधिक था। उदाहरण के लिये दिल्ली से कुल्लू की उड़ान सवा घंटे की है लेकिन किराया 1767 रूपया था। मैंने उस समय भी यह मामला इस माननीय सदन में उठाया था।

उपसभाध्यक्षः (श्री सतीश अग्रवाल): कुल कितना किलोमीटर है।

श्री महेश्वर सिंहः कुल सवा घंटे की उड़ान है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल): किलोमीटर कितना है, वाई रोड?

श्री महेश्वर सिंहः यह तो एक्जेक्टली मुझे मालूम नहीं है। लेकिन सवा घंटे की फ्लाइट है और 1767 रूपया किराया था। मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया था कि वे इसके ऊपर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे। लेकिन जैसे ही वायुदूत की सेवायें बंद कर दी गयी और हमें प्राइवेट एयर टैक्सी के रहमोकरम पर छोड़ दिया गया तो उन्होंने तुरंत वह किराया बढ़ाकर 2067 रूपया कर दिया। मैंने फिर इस माननीय सदन में यह मामला उठाया और मंत्री महोदय ने कहा कि एयर कारपोरेशन ऐक्ट पारित होने के बाद ही उनको यह अधिकार मिलेगा और उसके बाद ही किराया निर्धारित करने में वे हस्तेक्षप कर सकेंगे। लेकिन यह खेद का विषय है कि एयर कारपोरेशन ऐक्ट पास हो गया और उसके बाद कुल्लू का किराया, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि 2550 रूपया एक तरफा लिया जा रहा है और मंत्री महोदय चुप्पी साधे बैठे हैं। अनेकों बार यह मामला मैं उनके ध्यान में ला चुका हूं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि तब भी इस फ्लाइट में जगह नहीं मिलती है। इसका कारण है हनीमून कपल। अगर हनीमून कपल न हों तो यह फ्लाइट बिल्कुल बंद हो जाय। आप इस बात से सहमत होंगे कि जो हनीमून कपल जाते हैं उनको जिंदगी में एक बार जाना होता है और यह पैसा उनको अपनी जेब से नहीं देना पड़ता है, उनको उपहार में यह पैसा मिलता है। इसलिये मेरा निवेदन है कि मंत्री महोदय इसमें हस्तक्षेप करें और जो अर्चना एयर वेज है, उसका नाम अर्चना एयरवेज नहीं बल्कि हनीमून कपल एयरवेज रखा जाये क्योंकि अगर ये हनीमून कपल न मिलें तो कुल्लू की फ्लाइट ठप्प हो जाये। मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से यह निवेदन करूंगा कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और इस लूट से पर्यटकों और उपभोक्ताओं को बचायें।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): What better place can there be on earth than kulu? Anyway I wish to inform the hon. Members... *{Interruptions)...*

SHRI CHATURANAN MISHRA (BIHAR): Sir, I fully associate myself with what Shri Singh has said.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Sir, I totally agree with Mr. Singh that this is going on because